3. लालची कुत्ता और हड्डी

मोती नामक एक कुत्ते को मांस लगा हड्डी का एक बड़ा सा टुकड़ा मिला। उसने हड्डी मुहँ में दबाया और अपने घर की तरफ चल दिया।

रास्ते में एक नहर पर बने हुए पुल पर से गुजरते हुए मोती ने अपने को कहा - ''आज खाने का बहुत स्वाद आएगा।'' पुल के ऊपर ठीक आधे में पहुँच कर मोती ने पानी में झाक कर देखा, उसे पानी में अपनी परछाई दिखाई दी, उसने सोचा पानी में एक और कुत्ता भी है जिसके मुहँ में भी मांस वाली हड्डी है।''

वह लालची तो था ही , दूसरी हड्डी को भी पा लेने के लिए वह जोर से भौंकता हुआ पानी में कूद गया। पानी में तैर कर जैसे ही मोती किनारे पहुँचा, उदास हो कर बोला - '' वाह रे मोती तूने अपनी हड्डी भी गवा दी।''

सीख :- लालच बुरी बला है।

लड़का और बिछुआ

एक बार की बात है, एक जवान लड़का था। वह एक खुशमिजाज और मस्ती करने वाला बच्चा था। वह एक आज्ञाकारी बच्चा था जिसकी माँ उसे प्यार करती थी।

एक दिन जब लड़का मैदान में खेल रहा था। अचानक उसे बिछुआ ने काट लिया। घायल होकर घर भागा। अपनी माँ से मिलने पर उन्होंने कहा कि उन्हें एक छोटे से घास ने काट लिया है।

उसकी माँ ने कहा, "मेरा सुझाव है कि अगली बार जब आप बिछुआ को अपने हाथ में पकड़ें तो उसे मजबूती से पकड़ें। यदि आप इसे जोर से पकड़ेंगे तो यह आपको कभी नुकसान नहीं पहुंचाएगा।"

आप जो भी करें, साहसपूर्वक करें।

शिक्षा -: आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

शेर और चूहा

गर्मी का दिन था और एक शेर अपनी गुफा में झपकी ले रहा था। अचानक एक चूहा गलती से उसकी नाक पर चढ़ गया और शेर जैसे खतरनाक जानवर को जगा दिया। शेर को बहुत गुस्सा आया। शेर अपने पंजे के नीचे चूहे को कुचलने ही वाला था कि नन्हा चूहा अपनी जान की भीख मांगने लगा। शेर ने चूहे पर दया की और उसे जाने दिया।

कुछ दिनों बाद शेर जंगल में भटकते हुए शिकारियों के जाल में फंस गया और जाल में फंस गया। वह रस्सियों में इस कदर उलझा हुआ था कि हिल भी नहीं पा रहा था। शेर जमीन पर लेट गया और बेबस होकर दहाड़ने लगा। उसकी पुकार पूरे जंगल में गूँज उठी और चूहे के कानों तक पहुँच गई। वह दौड़कर मौके पर पहुंचा और जाल के धागों को टुकड़ों में काट लिया। इस प्रकार शेर की जान बच गई ।

शिक्षा -: हर चीज की अपनी कीमत होती है

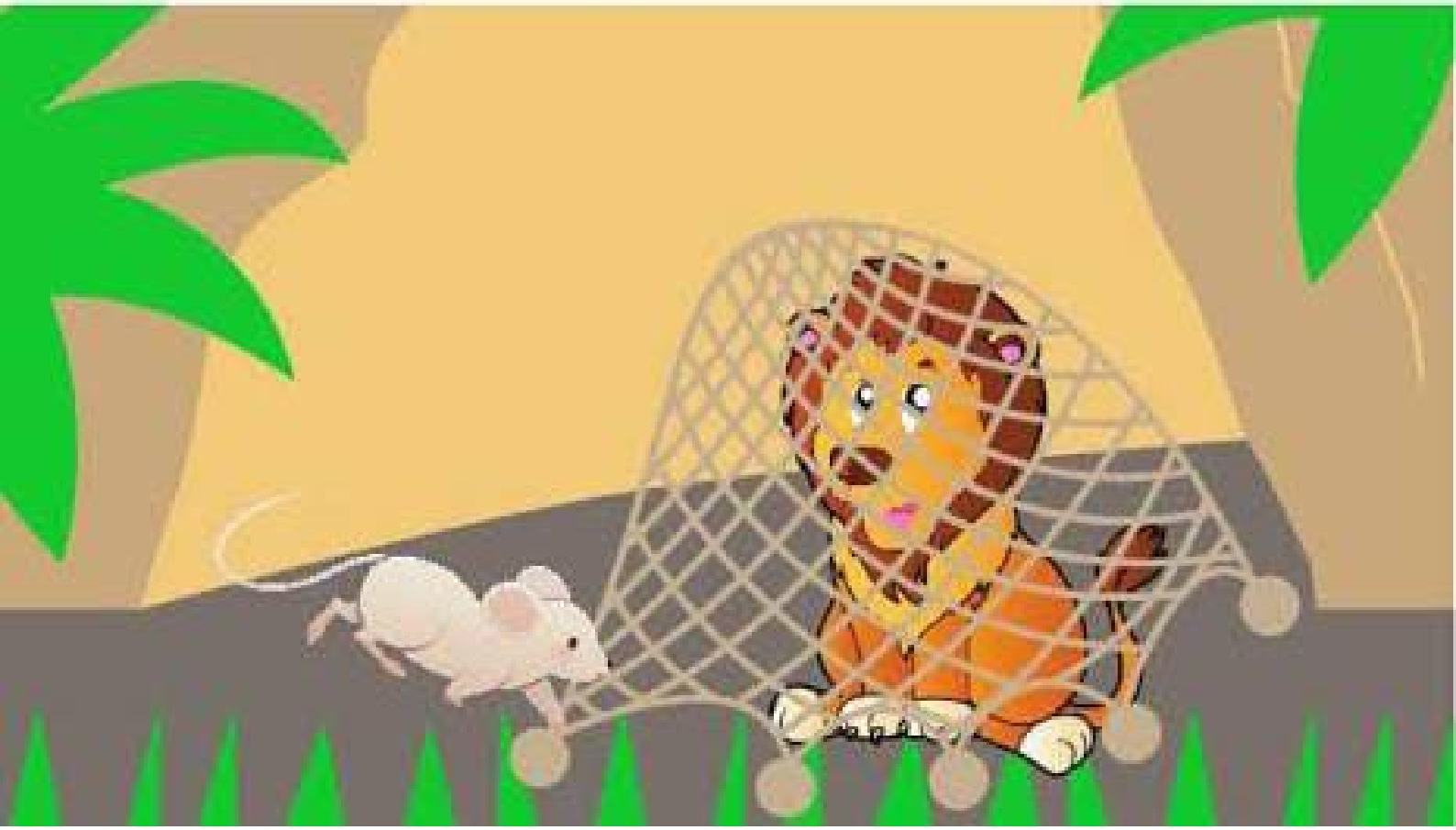

दो मुर्गे और एक बाज़

एक बार की बात है , दो मुर्गे एक पहाड़ी को लेकर लड़ रहे थे। वे दोनों अपनी पूरी ताकत से लड़ रहे थे, क्योंकि जो भी जीतेगा वह पहाड़ी का राजा बनेगा।

अंत में एक मुर्गा जीत गया और दूसरा मुर्गा लड़ाई में गंभीर रूप से घायल हो गया और हार गया। जीतने वाले मुर्गा ने अपनी जीत की घोषणा करने के लिए एक ऊँची उड़ान भरी और तेज आवाज में चिल्ला कर सबको अपनी जीत के बारे में बताया।

इतने में एक बाज़ उड़ता हुआ आया और इस घमण्डी मुर्गे को देखा। उसने झपट्टा मारा और मुर्गे को पकड़ कर दूर ले गया। दूसरा मुर्गा जो हार गया था वह नीचे से सब कुछ देख रहा था,वह जल्दी से बाहर आया और खुद को पहाड़ी का राजा घोषित कर दिया।

शिक्षा -: जरुरत से ज्यादा घमंड सेहत के लिए खतरनाक होता है ।